जिन्हें याद कर हम आज भी मुस्कुराते हैं।
यही वो पल हैजो हमें ज़िन्दगी जीना सिखाते हैं.....

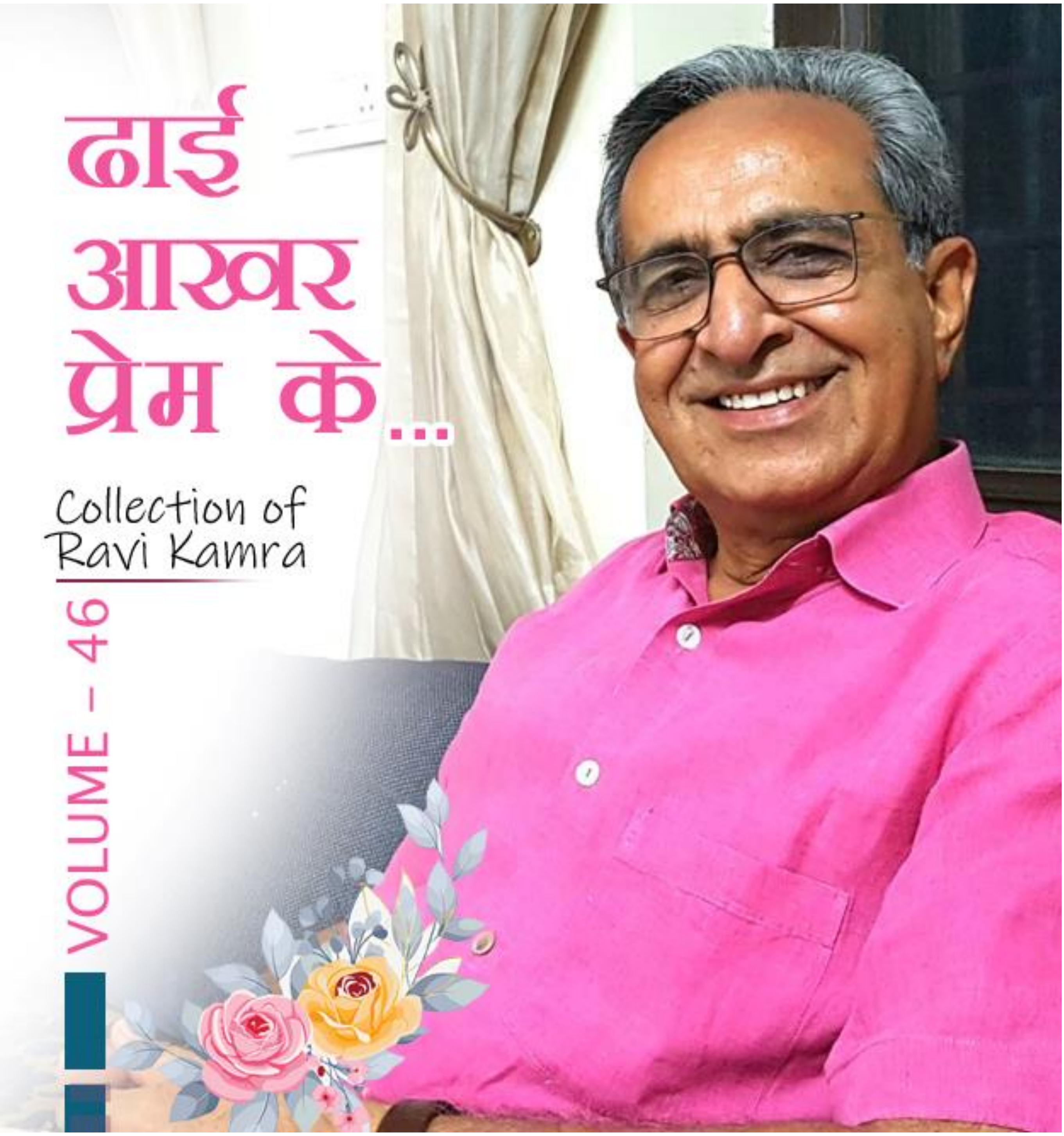

वही लिखने पढ़ने का शौक़ था, वही लिखने पढ़ने का शौक़ है
तेरा नाम लिखना किताब पर, तेरा नाम पढ़ना किताब में
Bashir Badr

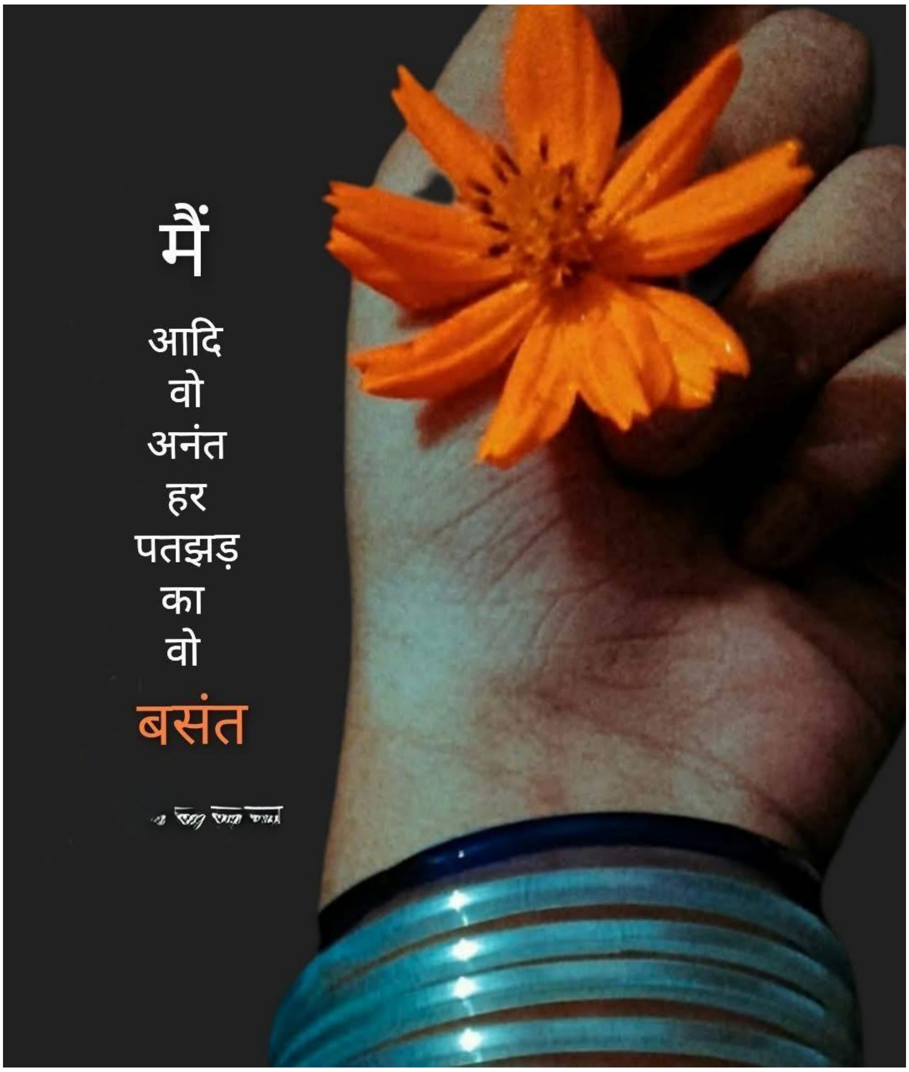

वो हिचकियाँ बहुत सुकून देती हैं
जो तेरा नाम लेने से रुक जाती हैं

पहाड़ देख कर नदी
याद आयी।
नदी में मैंने कंकड़ हो चुके
पहाड़ देखे-
कैसे लोग मुझे देख कर
आज भी तुम्हारा हाल पूछ लेते हैं।।

ये साल तो सिर्फ फोन पर ही बीत रहा है
दुआ करना अगला साल मुलाकातों में बीते

वो मिलेगा यक़ीनन मगर शर्त है
आखिरी सांस तक जुस्तजू चाहिए

अलग है तू, अलग मसरूफियत के हैं तेरे अंदाज़
तुझे ये तक नहीं है याद, कोई याद करता है

एक तू है कि जहां भर से है ताल्लुक तेरा
एक मैं कि तेरी जात से बाहर न गया

अगर आज हुआ है
तो कल भी होगा

नशा नहीं है फिर भी लडखडाना चाहते हैं
तेरी शराब की इज्जत बचाना चाहते हैं

किताबें, रिसाले न अख़बार पढ़ना
मगर दिल को हर रात इक बार पढ़ना

जिसकी ख़ुशबू से महक जाय पड़ोसी का भी घर
फूल इस क़िस्म का हर सिम्त खिलाया जाए।"

मेरी पहली कविता
मेरा पहला प्रेम-पत्र था
जिसे फ़िज़िक्स की कॉपी में
छुपाकर मैंने लौटाया था उसे
जिससे मैं प्रेम करता था
(((गौरव भारती

सवालों में ही खत्म हो गए कई रिश्ते,,
शायद कोई जवाब देता तो संवर जाते...!!

- हर सुबह जन्म लेता हूँ
  हर रात गुज़र जाता हूँ

- गम का नहीं है कोई खरीददार जहाँ में
  खुशिओं का जहाँ में कोई बाज़ार नहीं है

  हर शख्स को है स्वर्ग में जाने की तमन्ना
  मरने को मगर कोई भी तैयार नहीं है

- 'वसीम' कैसी ताल्लुक की राह थी जिसमे
  वही मिले जो बहुत दिल दुखाने वाले थे

- मुहब्बत रस की तरह फैलती है
  और नफरत आग की तरह

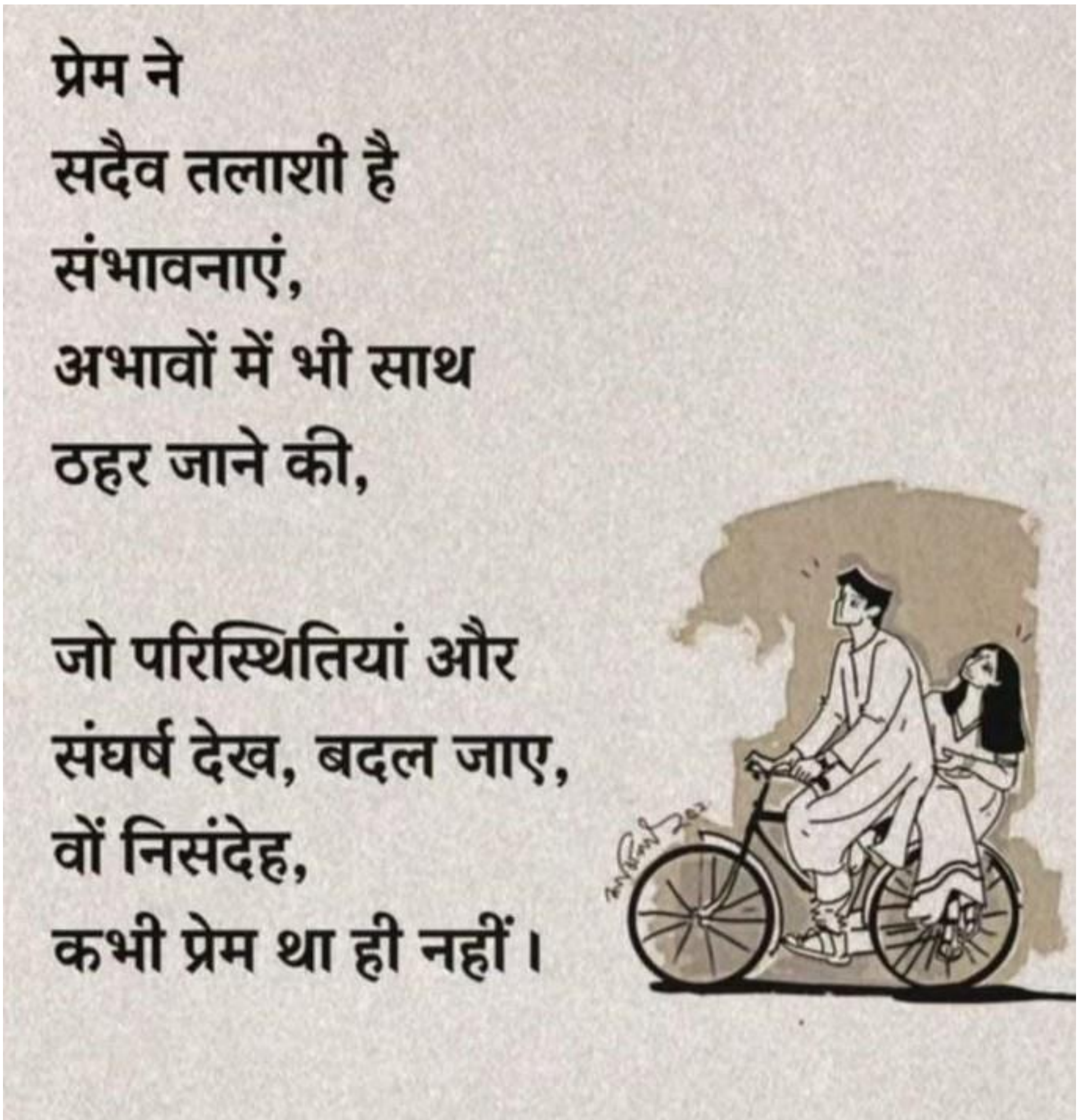

कभी तो कोई चौंक के देखे हमारी तरफ
किसी की आँख में हम को भी तो इंतज़ार दिखे

न पूछिए है दुश्वार कितनी यह इश्क की नौकरी
तबादला दिल नहीं चाहता तरक्की वो नहीं देते

क़बीले वालों के दिल जोड़िए मिरे सरदार
सरों को काट के सरदारियाँ नहीं चलतीं

बुरा न मान अगर यार कुछ बुरा कह दे
दिलों के खेल में ख़ुद्दारियाँ नहीं चलतीं

छलक छलक पड़ीं आँखों की गागरें अक्सर
सँभल सँभल के ये पनहारियाँ नहीं चलतीं
कैफ़ भोपाली

मुझको मुझ में जगह नहीं मिलती
तू है मौजूद इस क़दर मुझ में !!

जिसने जैसा सोच लिया, वैसे हैं हम....
बाकी मेरा ईश्वर जानता है, कैसे हैं हम..‘

"वक़्त के साथ साथ चलता रहे
यही बेहतर है आदमी के लिए"
सुदर्शन फ़ाकिर

जब आपके सुकून का ताल्लुक
किसी एक शख्स से हो जाए,
तो यकीन मानें ।।
आप सुकून से रह ही नही सकते।।।।।

मेरे हाथ तो चाहे बहुत मुलायम हैं
पर चाय बहुत कड़क बनाती हूँ

वो है अपना तो जंग है अपना
वो न अपना तो कोई न अपना

जो सहता है
वही रहता है

हमारे साथ जो हो रहा है
वो शुभ है या शुभ की तैयारी है

मनुष्य का ह्रदय एक मिनट में ,
बहत्तर बार धड़कता है
तुम्हारा मेरे समीप आना ,
इसके विज्ञान को बिगाड़ देता है।।।।।९९ ❤️

भला करके देखो ९
हमेशा लाभ में रहोगे ९९
दया करके देखो ९
हमेशा याद रहोगे ९९

पहचान से मिला काम थोड़े समय के लिए रहता है,
लेकिन काम से मिली पहचान उमर भर रहती है।

कुछ तो है दरमियां हमारे,
तन्हा जो बैठू तो
आते हैं, ख्याल तुम्हारे९९

बहुत देर तक सोचा
तेरी तस्वीर ना देखी जाए।
फिर बहुत देर तक
तेरी तस्वीर देखी मैंने

करूँगा क्या जो मुहब्बत में हो गया नाकाम
मुझे तो कोई दूसरा काम भी नहीं आता

बिछड़ जाऊँ तो फिर रिश्ता तेरी यादों से जोड़ूँगा
मुझे ज़िद है, मैं जीने का कोई मौक़ा न छोड़ूँगा

तकलीफ़ हमेशा उन्हें बताओ
जो समझने के काबिल हो।।।

उन बददुआओं से डरें
जो बोल कर नहीं दी जातीं

बात
मन के
भावों को
लिखने की थी।।।
प्रेम लिखा
प्रीत लिखी
इश्क़ लिखा
मोहब्बत लिखी
प्यार लिखा
चाहत लिखी।।।
फ़िर लगा।।।
दो अक्षर ही काफ़ी थे
मन की बात लिखने को।।
फ़िर सब कुछ मिटाकर
लिख दिया
सिर्फ तुम्

भर दिए है अपने रंग सारे,
तुझे लिखने में,
मेरा बेरंग होना ,
अब खलता नहीं मुझको।।।१

लपेट ली है तुम्हारे एहसास की चादर मैनें,
आज तुम्हारी यादों की शीतलहर चल रही है ११

में दरिया से भी डरता हूँ
तुम दरिया से भी गहरे हो

कौन सी बात है तुम में ऐसी
इतने अच्छे क्यूँ लगते हो

मंज़िल दूर कितनी भी हो चाहे
रास्ते वापसी के लंबे नहीं होते हैं

गलतियां संबंधों की किताब का एक पन्ना होती है,
महज़ एक पन्ने के लिए पूरी किताब जलाई नहीं जाती।

जिन्हें याद कर हम आज भी
मुस्कुराते हैं।
यही वो पल है
जो हमें ज़िन्दगी जीना सिखाते हैं

ख्वाहिशे आदमी को जीने नहीं देती
और आदमी ख्वाहिशों को मरने नहीं देता ।।।

जब तेरा मौन मुस्कुराये
तब समझ लेना,
मैं हूँ तेरे आसपास
तेरे मौन से बातें करती हुई।।।।।

- जैसा तुम सोचते हो वैसा मैं हूँ नहीं
और जैसा मैं हूँ वैसा तुम सोच भी नहीं सकते

- वो लोग दूरियाँ के ही काबिल थे
जिन्होंने नज़दीकियों की कद्र नहीं की

- चाँदी सोना एक तरफ़ हैं
तेरा होना एक तरफ़ है

- ख़ूबसूरती ने कब खबर लगने दी
कि ताजमहल एक कब्र है

मैं बदलते हुए हालात में ढल जाता हूँ
देखने वाले अदाकार समझते हैं मुझे
।
शाहिद

वक्त का खास होना जरूरी नहीं है,
खास के लिए वक़्त होना जरूरी है ११

बातों से ही निकलती हैं
बातें ।
इसलिए ज़रूरी है
होती रहें बातें ।।।

कल समय मिलेगा
कितना बड़ा भ्रम है

ज़रा सी देर को सकते में आ गये थे हम
के एक दूसरे के रस्ते में आ गये थे हम
जो अपना हिस्सा भी औरों में बाँट देता है
एक ऐसे शख्श के हिस्से में आ गये थे हम

यह सब ज़रूरी है

आत्म समीक्षा
संसार की परीक्षा
और प्रभु की प्रतीक्षा

हैरत किस बात की
टूटे हैं तो
चुभेंगे भी'१

कुछ आँखें आपको
हाथों से भी अधिक
स्पर्श कर जाती हैं

ज़रूरी नही लंम्बी गुफ़्तगू ही करो मुझसे,,
तेरा ृओयू कहना भी बड़ा सुकून देता है।।।११

दूर देखने के चक्कर में
बहुत कुछ क़रीब से गुजर जाता है

तुम्हारी उपस्थिति में
हृदय भर जाता है
और तुम्हारी अनुपस्थिति में आँखे ।।
और दोनो परिस्थितियो में
मेरे भीतर से प्रेम का उभर जाना
कोई नही जानता

कभी कभी 💕दिल चाहता है कि,
तुम।।।
कोई सवाल ना पूछो,
ना वज़ह पूछो,
ना तसल्ली दो,
ना ही कोई नसीहत।।।
बस गले से लगा लो।।।
और खामोशी से कहो।।।
मैं हूं ना तेरे लिए।।।।
हमेशा। हमेशा के लिए✍🏻✍🏻

जो साथ चलना चाहे उसे साथ लेकर चलो
जो साथ रहना ही न चाहे उसे जाने दो

;